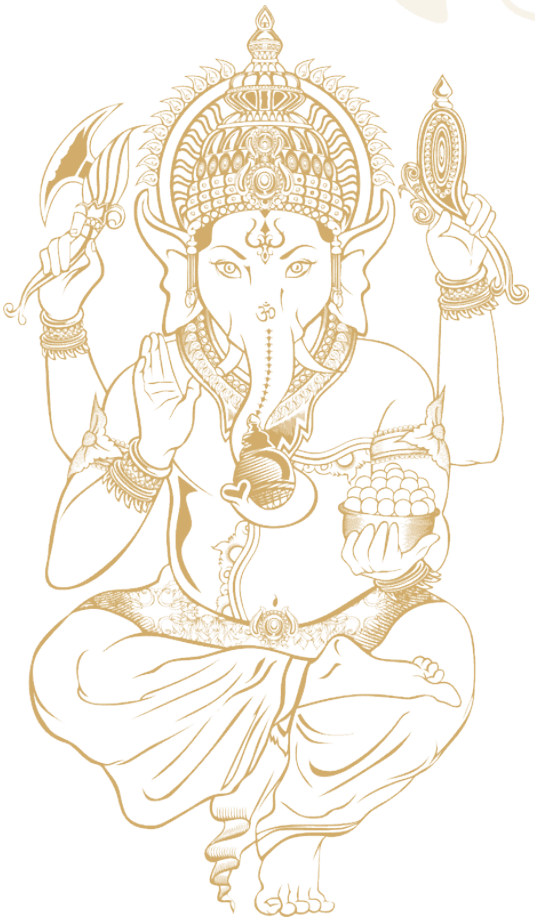

Rinku Chouhan

29 Oct 2002

05:00 PM

Bharatpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121063504

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**29/10/2002**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**17:00:00 घंटे**
इष्ट	26:19:24 घटी
स्थान	**Bharatpur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	27:13:00 उत्तर
रेखांश	77:29:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:39:56 घंटे
वेलान्तर	00:16:17 घंटे
साम्पातिक काल	19:10:27 घंटे
सूर्योदय	06:28:14 घंटे
सूर्यास्त	17:39:13 घंटे
दिनमान	11:10:59 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	11:58:30 तुला
लग्न के अंश	00:24:32 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुष्य - 4**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	शुभ
करण	कौलव
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डा-डालचंद
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	00:24:32	482:16:04	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	केतु	---
सूर्य			तुला	11:58:30	00:59:56	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	नीच राशि
चंद्र			कर्क	15:06:20	13:29:27	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	स्वराशि
मंगल			कन्या	14:52:56	00:38:21	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
बुध			तुला	01:59:33	01:40:09	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	केतु	मित्र राशि
गुरु			कर्क	22:11:28	00:06:27	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	सूर्य	उच्च राशि
शुक्र	व	अ	तुला	15:13:33	00:36:00	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	मूलत्रिकोण
शनि	व		मिथु	04:53:55	00:01:57	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	सूर्य	मित्र राशि
राहु	व		वृष	15:15:53	00:00:19	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	15:15:53	00:00:19	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	मित्र राशि
हर्ष	व		कुंभ	01:01:51	00:00:18	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	---
नेप			मक	14:19:33	00:00:18	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
प्लूटो			वृश्चि	22:04:30	00:01:52	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	सूर्य	---
दशम भाव			धनु	22:20:29	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:53:30

लग्न-चलित

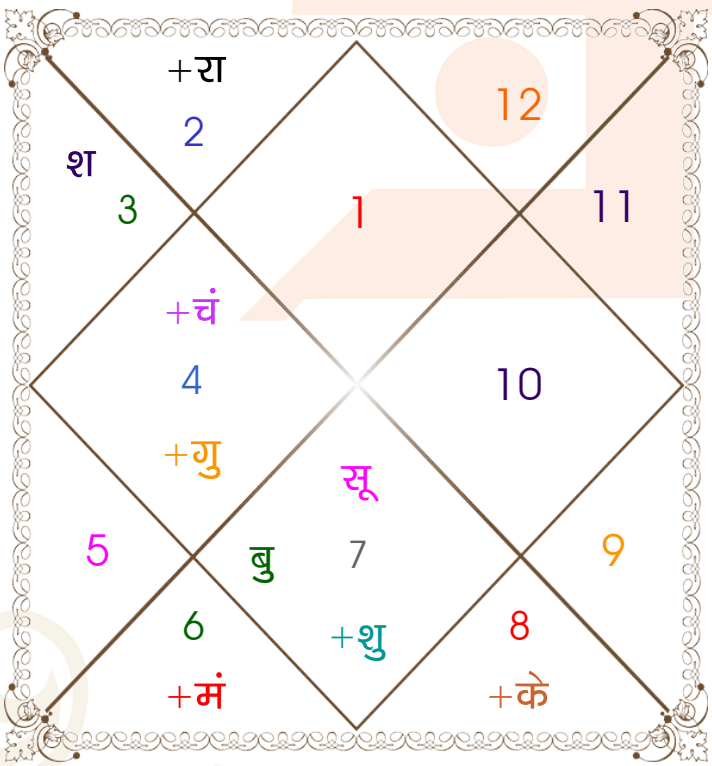

चन्द्र कुंडली

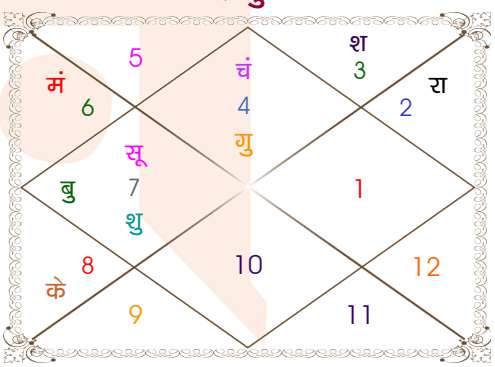

नवमांश कुंडली

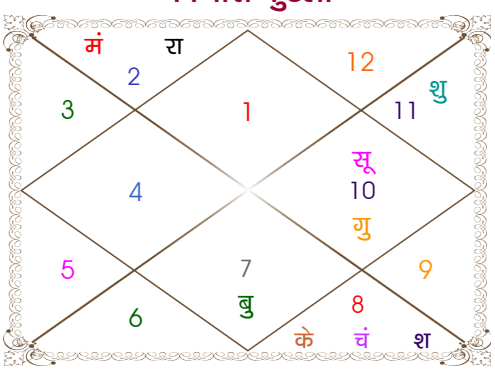

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 2 वर्ष 2 मास 21 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
29/10/2002		19/01/2005		19/01/2022		19/01/2029		19/01/2049	
19/01/2005		19/01/2022		19/01/2029		19/01/2049		19/01/2055	
	00/00/0000	बुध	17/06/2007	केतु	17/06/2022	शुक्र	20/05/2032	सूर्य	08/05/2049
	00/00/0000	केतु	14/06/2008	शुक्र	17/08/2023	सूर्य	21/05/2033	चंद्र	07/11/2049
	00/00/0000	शुक्र	15/04/2011	सूर्य	23/12/2023	चंद्र	19/01/2035	मंगल	15/03/2050
	00/00/0000	सूर्य	19/02/2012	चंद्र	23/07/2024	मंगल	20/03/2036	राहु	07/02/2051
	00/00/0000	चंद्र	20/07/2013	मंगल	19/12/2024	राहु	21/03/2039	गुरु	26/11/2051
	00/00/0000	मंगल	18/07/2014	राहु	07/01/2026	गुरु	19/11/2041	शनि	07/11/2052
	00/00/0000	राहु	03/02/2017	गुरु	14/12/2026	शनि	19/01/2045	बुध	13/09/2053
	29/10/2002	गुरु	12/05/2019	शनि	23/01/2028	बुध	20/11/2047	केतु	19/01/2054
गुरु	19/01/2005	शनि	19/01/2022	बुध	19/01/2029	केतु	19/01/2049	शुक्र	19/01/2055

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
19/01/2055		19/01/2065		20/01/2072		19/01/2090		20/01/2106	
19/01/2065		20/01/2072		19/01/2090		20/01/2106		30/10/2122	
चंद्र	20/11/2055	मंगल	17/06/2065	राहु	02/10/2074	गुरु	08/03/2092	शनि	23/01/2109
मंगल	20/06/2056	राहु	05/07/2066	गुरु	24/02/2077	शनि	20/09/2094	बुध	03/10/2111
राहु	20/12/2057	गुरु	11/06/2067	शनि	01/01/2080	बुध	25/12/2096	केतु	11/11/2112
गुरु	21/04/2059	शनि	20/07/2068	बुध	21/07/2082	केतु	01/12/2097	शुक्र	11/01/2116
शनि	19/11/2060	बुध	17/07/2069	केतु	08/08/2083	शुक्र	02/08/2100	सूर्य	23/12/2116
बुध	20/04/2062	केतु	14/12/2069	शुक्र	08/08/2086	सूर्य	22/05/2101	चंद्र	25/07/2118
केतु	19/11/2062	शुक्र	13/02/2071	सूर्य	03/07/2087	चंद्र	21/09/2102	मंगल	03/09/2119
शुक्र	20/07/2064	सूर्य	20/06/2071	चंद्र	01/01/2089	मंगल	27/08/2103	राहु	09/07/2122
सूर्य	19/01/2065	चंद्र	20/01/2072	मंगल	19/01/2090	राहु	20/01/2106	गुरु	30/10/2122

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 2 वर्ष 2 मा 10 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्विनी नक्षत्र के प्रथम चरण में मेष लग्न, मेष नवमांश एवं मेष राशि के द्रेष्काण में हुआ था। अस्तु यह जन्म वर्गोत्तम सूचक एवं अति उत्तम जन्म फल का सृजन कर रहा है।

परिणाम स्वरूप आप व्यक्तिगत रूप से स्वनिर्मित, साहसी, उत्सुक, किसी भी योजना को कार्यान्वित करने वाले, किसी भी चुनौती को स्वीकार करने वाले, किसी भी कार्य को शक्ति प्रदान करने वाले अथवा बिना किसी भी सहयोग के विभिन्न प्रकार के कार्यों को कार्यान्वित करने वाले हैं। आप बुनियादी रूप से एक विशेष व्यक्तित्व प्राप्त, अपने उद्देश्य में संलग्न रहने वाले, अपनी योजनाओं को कार्य रूप देने वाले, महत्वकांक्षी, परिश्रमी और अपने बनाए रास्ते पर चलने वाले तथा सुगमता से अपनी राह पर अग्रसर रहने वाले प्राणी है। आप मुसीबत के समय या संघर्षपूर्ण समय में भी पीछे मुड़कर नहीं देखने वाले शीघ्र ही कम समय में सुगमता पूर्वक उचित कार्य को पूर्ण कर लेने वाले हैं। आप अपने भरोसे ही पूर्ण विश्वसनीयता से सभी कार्यों को बिना प्रभावित हुए संपादन करने वाले हैं।

यदि कोई आपके साथ अत्यंत ही उत्तेजना पूर्वक व्यवहार करता है, तब आप भी वैसा ही व्यवहार उसके साथ अवश्य करना चाहते हैं। अपने सिद्धांतों का हनन होते देखकर आप में प्रतिशोधात्मक प्रवृत्ति का जागरण हो जाता है। आप एक सिद्धांतवादी, सदाचारी, विश्वासी, निष्कपट व्यवहार करने वाले व्यक्ति है। आप किसी को भी नीति विरुद्ध आचरण करते देख, उत्तेजित हो जाते हैं। अन्यथा आप एक धार्मिक विश्वासी एवं निष्कपट व्यवहार करने वाले हैं।

आप एक सृजनात्मक प्रवृत्ति एवं तीक्ष्ण बुद्धि के प्रगति शील सृजनकर्ता हैं। आप अपनी संपन्नता एवं उद्देश्य के प्रति सुनिश्चित एवं अधिकृत होकर पूर्ण विश्वसनीयता से अपना लक्ष्य प्राप्त करना चाहते है। आप जिस कार्य या लक्ष्य को सुनिश्चित कर लेते हैं, वह पथ कितना भी दुर्गम क्यों न हो कोई भी आपको अपने उद्देश्य से रोक नही सकता। आप स्वयं अपने कार्य और उद्देश्य को सुनिश्चित कर आप जिसे उपयुक्त समझते हैं। उसे पूरा करना ही अपना लक्ष्य समझते हैं। आप एक लगनशील और कर्मठ प्राणी हैं। परंतु आप अपने स्वाभाविक गुण एवं अपनी सत्ता के माध्यम से अपने मूल अस्तित्व एवं प्रसारात्मक तरीके से धन संचय कर लेते हैं। आप आवारागर्दी पर अपने धन का अपव्यय करते हैं, जो आपके लिए सर्वथा त्याज्य है। आप हर क्षण अविवेकिता पूर्ण तरीके से अपने द्वारा किए गए अनर्थकारी कार्यों को सत्य प्रमाणित करके संतुष्ट रहने का प्रयास करते हैं। आपके द्वारा अर्थ प्राप्ति के लिए उत्तम कार्य शैली का प्रदर्शन धैर्य पूर्वक एवं योजनाबद्ध तरीके से प्रस्तुत एवं कार्यान्वित किया जाता है। आप अपने बाएं-दाएं निकटतम समर्थक को अपने अधिकार क्षेत्र में संलग्न रखना पसंद करते हैं। आप हर क्षण अपनी सुरक्षा हेतु किसी मित्र की सहायता के लिए तत्पर रहा करते हैं। आप किसी भी क्षण किसी अन्य के हाथों पराजित होना पसंद नही करते तथा आपको कोई भी विरोधी पराजित न कर सके। इस भावना से आप संशोधन करने को तत्पर रहते हैं। तथा अपने मित्रों की सहायता करने को प्रस्तुत रहते हैं।

आप में यह विशेष गुण है कि आप संयुक्त परिवार के प्रति पूर्ण रूपेण समर्पित हैं। वास्तव में आप अपने घर को एक पक्षी के घोसले जैसा प्यार करते हैं। अर्थात् आप घर परिवार पर से पूर्ण रूपेण निकट एवं संबंधित रहकर जीना पसंद करते हैं। आप अपने दाम्पत्य जीवन को किसी भी प्रकार से प्रभावित करना या हतोत्साहित करना नहीं चाहते। आपको अपने परिवार के प्रति अत्यधिक झुकाव रहता है। आपके भाई और पारिवारिक अन्य सदस्य आपके मार्गदर्शन पर बिना किसी भी मतांतर के अनुकूल आचरण करते हैं।

आप अत्यंत ही प्रेम करने वाले कामुक प्राणी हैं और विपरीत योनि के प्रति या इस प्रकार के व्यक्ति से आप संबद्ध रहते हैं। स्वाभाविक रूप से जिनका जन्म लग्न या राशि सिंह, तुला एवं धनु है। उनके साथ आपका वैचारिक मेल रहना उपयुक्त है। आपकी जन्मपत्रिका से यह संकेत मिलता है कि आप शारीरिक दृष्टिकोण से चुस्त, दुरुस्त एवं पुष्ट हैं और रहेंगे।

आपकी प्रतिभा की यह विशेषता है कि आपकी उन्नत ललाट और चमकीली आंखें किसी के भी मन की बातों को जान लेने में पूर्ण सक्षम और लक्ष्य भेदन में समर्थ हैं। आप सामान्यतया उत्तम स्वास्थ्य, शक्ति संपन्न एवं किसी प्रकार के रोग से मुक्त रहकर जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे। परंतु आप निश्चित रूप से किसी छोटी दुर्घटना के शिकार होंगे। अस्तु सिर की रक्षा करें तथा सतर्कता पूर्वक वाहन चलाएं। ऐसी आशंका है कि आप यदि सतर्क नही रहें तो सिरोवेदना, अग्नि दाह, अनिद्र आदि रोगों से पीड़ित रहेंगे। अस्तु आपके लिए यह विचारणीय है कि आप सदैव ही अधिक मात्रा में साक-सब्जियों का व्यवहार करें। आप को सदैव यह ध्यान रखना चाहिए कि कार्य प्रारंभ करने के पूर्व पूर्ण रूपेण निद्रा, विश्राम आदि कर चुके हैं तथा तरोताजगी से कार्यारम्भ करें। आपको यह संकेत दिया जाता है कि आप एक समय में कई कार्यों को नही कर एक कार्य को ही मनोयोग पूर्वक करें। क्योंकि आप एक ही समय कई कार्यों का संपादन करने की क्षमता रखते हैं और एक साथ विभिन्न कार्यों को संपादन कर धन प्राप्त करते हैं।

आपके लिए विधि, कार्य, तेल का कार्य, भूमि क्रय-विक्रय, पशुपालन, लौह एवं स्टील कार्य, यांत्रिकी कार्य, फैक्ट्री कार्य, चमड़े का कार्य अथवा चर्मोद्योग कार्य उपयुक्त और लाभ जनक है। यदि आपको उपयुक्त योग्यता है तो आप अध्यापन कार्य भी कर सकते हैं।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके भाग्यशाली अंक 9 एवं 1 प्रभावक अंक 4 एवं 8 हैं। 2, 3 और 5 अंक सामान्य परंतु 6 एवं 7 अंक आपके लिए उपयुक्त अंक हैं।

जहां तक संभव हो सके आप लाल, पीला, ताम्रवर्णी एवं स्वर्णरंजित रंग के वस्त्रों एवं वस्तुओं का उपयोग अपने जीवन की अनुकूलता हेतु करें। काले नीले रंग की धातु या वस्त्र कदापि व्यवहार में न लाएं।